Baba’s Praise

7/4/2015

- सर्व की सद्गति करने वाला तो एक ही बाप है ना।

- यह बाप बैठ तुम बच्चों को सृष्टि के आदि- मध्य- अन्त का नॉलेज सुनाते हैं।अभी रचता बाप ही रचना के आदि- मध्य- अन्त का ज्ञान देते हैं।
-
- बाप खुद कहते हैं- मैं मनुष्य सृष्टि का बीजरूप हूँ।

- यहाँ तुम सम्मुख हो। शिवबाँबा से सुन रहे हो। वह मनुष्य सृष्टि का बीजरूप, ज्ञान का सागर, प्रेम का सागर, आनंद का सागर है। गीता ज्ञान दाता परमपिता त्रिमूर्ति शिव परमात्मा वाच।

- बाप आकर ज्ञान देते हैं तो जीवात्मा अपना मित्र बनती है। आत्मा पवित्र बन बाप से वर्सा लेती है